

Total No. of Printed Pages: 02

SUBJECT CODE NO: - AA-1474
FACULTY OF HUMANITIES
B.A S.Y SEM IV (CBCGS) (Pattern 2022)
Examination October / November 2024
Hindi Paper - VIII Ekanki Sahitya

[Time: 1:30 Hours]

[Max. Marks: 40]

Please check whether you have got the right question paper.

N. B

- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- 2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दिए गए हैं।



Q1 अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

05

- 1) सेठ गोविंददास को साहित्या एवं शिक्षा के क्षेत्र में सन में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
 अ) १९५८ ब) १९६५ क) १९६१ ड) १९५०
- 2) भुवनेश्वर द्वारा लिखित नाटक को विष्व केपहले असंगत या एब्सर्ड नाटक का सम्मान प्राप्त है।
 अ) शपामा ब) शेतान क) तांबे का कीडा ड) अकबर
- 3) ऊसर एकांकी का लडका कुत्ते को कहकर बुलाता है।
 अ) पिप्पा ब) मोती क) डॉगी ड) प्यारे
- 4) नारी की चिता समाज और कर्तव्य की वेदी पर चिनी जाती है।
 अ) भावनाओं ब) इच्छाओं क) तमनाओं ड) दुःखों
- 5) रामचरण एकांकी का पत्र है।
 अ) ऊसर ब) मकड़ी का जाला क) परिचय ड) कँवारी धरती

ब) एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

05

- 1) राम हमीदा को क्या कहकर बुलाता है ?
- 2) भेलानाथा किस शर्त पर चंद्रभान को नोकरी देना चाहता है?
- 3) कँवारी धरती एकांकी में समाज की किस समस्या को चित्रित किया गया है।
- 4) जित्त के अनुसार नीता को क्या चाहिए ?
- 5) एकांकीकार विष्णु प्रभाकर का जन्म किस राज्य में हुआ ?

Q2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें (कोई दो)

10

- 1) आप न बदलेंगे एकांकी के माध्यम से स्त्री संवेदना को स्पष्ट कीजिए ।
- 2) मानवता ही मनुष्य का असली धर्म/संस्कार है, ईद ओर होली एकांकी की आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- 3) परिचय एकांकी नई के दिशा बोध करवाना चाहती है । एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- 4) यांत्रिकीकरण के प्रभाव से मनुष्य मशीन बनता जा रहा है । मकड़ी क जाला एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

Q3 टिप्पनियाँ लिखिए । (कोई दो)

10

- 1) सडक एकांकी की प्रतीकात्मकता
- 2) कँवारी धरती एकांकी शीर्षक की सार्थकता
- 3) नीता का चरीत्र –चित्रण
- 4) बेरोजगार युवक का प्रतिनिधित्व करता चंद्रभान



Q4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर विस्तृत लिखिए ।

10

- 1) " कँवारी धरती" यह एकांकी पुरुषी मानसिकता को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए ।
- 2) " ऊसर " एकांकी के द्वारा भुवनेश्वर ने मध्यर्गिया अभावग्रस्तता को ही स्वर दिया है। स्पष्ट कीजिए ।